

গজল — তৈরী — কর্তা
গজল

বাগিচার	বুলবুলি তুই শুল-শাখাতে দিসনে আঝি দোল ।
আজো তার	ফুল-কলিদের ঘুম টুটেনি, তন্ত্রাতে বিলোল ॥
আজো হায়	লিঙ্ক শাখায় উভনী-বায় কুরহে নিশিদিন,
আসেনি	দখনে হাওয়া গজল-গাওয়া, মৌমাছি বিভোল ॥
করে সে	ফুলকুমারী ঘোমটা চিরি আসবে বাহিরে,
শিশিরের	স্পর্শসূর্যে ভাঙ্গবে রে ঘুম রাঙ্গবে রে কপেল ।
কাঞ্জনের	মুকুল-জাগা দুকুল-চাঙা আসবে ফুলেল বান,
কুঁড়িদের	ওষ্ঠপুঁটে শুটবে হাসি, ফুটবে গালে টোল ॥
কবি তুই	গকে ভুলে ভুলি জলে কুল পেলিনে আর,
ফুলে তোর	বুক ডরেছিস্ আজকে জলে ভুব রে আঁধির কোল ॥

II सा । सा - खा सग्ना - सा । - ए मा - ए मा । मा - ए मा ज्ञा । - ए पा - ए मा ।

वा	गि ० चां य	० शु ल् वु	लि ० त्तु ज्ञ	० शु ल् शा
आ	जो ० तां र	० शु ल् क	लि ० दे य	० शु म् टा
आ	से ० निं ०	० द ध ने	हा ओ या ०	० ग ज् ल्
शि	शि ० रें र	० स्प अ श	सु ० थे ०	० भ ड बे
कं	डि ० दें र	० उ ष ठ	पु ० टे ०	० लु टा बे
कु	ले ० तें र	० शु क ड	रे ० छि स्	० आ ज् के

I ज्ञा - रा ज्ञा - रा । - ज्ञा सा - खा । - ज्ञा - रा - ज्ञा खा । सा - - II

था	० ते ०	० दि स ने	आ ० ० जि	दो ल् ०
टो	० नि ०	० त ल् दा	ते ० ० बि	लो ल् ०
गा	ओ या ०	० मौ ० मा	छि ० ० बि	डो ल् ०
रे	० शु य	० रा ण बे	रे ० ० क	पो ल् ०
हा	० सि ०	० शु टा बे	गा ० ० ले	टो ल् ०
ज	० ले ०	० उ र वे	अं ० ० खि र	को ल् ०

III ए । पा - ए पा - मा । - ए दा - ए दा । दा - ए दा पा । - ए पा - गा दा ।

आ	जो ० थ् य	० अ क त	शा ० थ् य	० उ ० त
ए	० से ०	० शु ल् क	या ० श्री ०	० घो म् टा
ग	ण ० न र	० शु क ल	जा ० गा ०	० द् ब क ल
क	वि ० ख् र	० ग ल् धे	तु ० ले ०	० झु व लि

I पा - मा गा - सा । - खा गा - मा । पा - दा श्पा - मा । मा - गा - मा ।

श्री	० वा ०	शु श्व र छे	नी ० शि ०	दि ल् ०
च	० रि ०	० आ स बे	वा ० फि ०	रे ० ०
भ	० झा ०	० आ स बे	शु ले ल् ०	वा न् ०
ज	० ले ०	० शु ल् पे	लि ० ने ०	आ र ०